बौदिका का गीत

मिक गोवर

चित्र: मार्क बीच



बौदिका का गीत

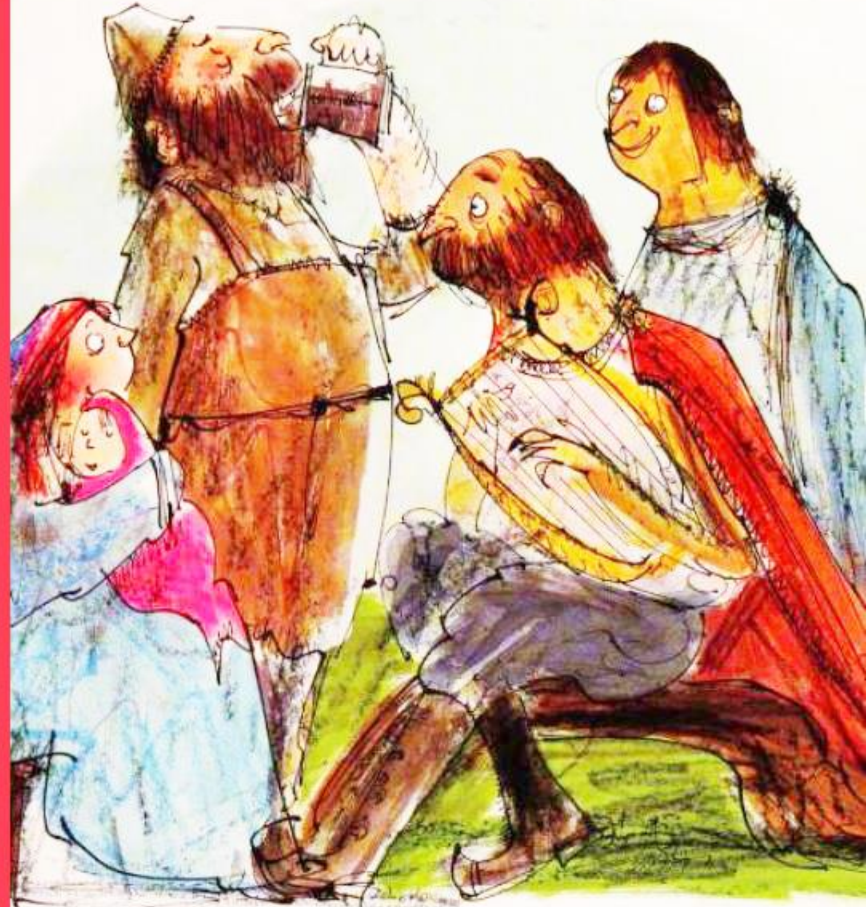
मिक गोवर

चित्र: मार्क बीच



इस पुस्तक के बारे में

इस पुस्तक के कुछ पात्र कल्पित हैं. लेकिन यह कहानी इतिहास की वास्तविक घटनाओं पर आधारित है. जूलियस सीज़र के नेतृत्व में रोमनों ने पहली बार 55 ईसा पूर्व में, ब्रिटेन पर आक्रमण किया. उस समय, ब्रिटेन कई अलग-अलग जनजातियों से मिलकर बना था. बौदिका अपने पति राजा प्रसुतागस की मृत्यु के बाद इकेनी जनजाति (पूर्वी एंग्लिया में स्थित) की रानी बन गई. उसने रोमनों से लड़ने के लिए कई अलग-अलग जनजातियों को मिलाकर एक सेना बनाई. पहले तो उसे बड़ी सफलता मिली. विद्रोही सेना ने कोलचेस्टर के रोमन शहर को नष्ट कर दिया. उन्होंने लंदन को जला दिया और सेंट एल्बंस को तबाह कर दिया.पर बाद में रोमन सैनिकों ने बौदिका और विद्रोहियों को हरा दिया.



मेरा नाम ब्रैम संगीतकार है.

मैं अपना गाने गाता हुए पूरे ब्रिटेन में घूमता हूं.

जब मैं छोटा था, तब हमारे इक्केनी लोगों पर, राजा प्रसुतागस का शासन था. रानी बौदिका उनकी पत्नी थीं.



राजा प्रसुतागस ने हमें बताया: "रोमन सैनिक हमारे मित्र हैं. वे शत्रुओं से हमारी रक्षा करेंगे."



जब राजा की मृत्यु हुई, तब रानी बौदिका, हमारी शासक बनीं. रानी को रोमन सैनिकों पर भरोसा नहीं था.



रोमन सैनिकों ने राजा का खजाना चुरा लिया और हमारे लोगों को अपना दास बना लिया.



बौदिका ने हमें युद्ध के लिए तैयार होने को कहा. हमारे योद्धाओं ने अपनी तलवारों और भालों पर धार तेज की.



मेरे पिता रानी के रथ चालक थे. वो ब्रिटेन में सबसे अच्छे और सबसे तेज रथ चालक थे!



बौदिका सबसे बहादुर योद्धा थीं. वो किसी भी पुरुष से ऊंची और ताकतवर थीं.



बौदिका किसी भी आदमी से ज्यादा दूर भाला फेंक सकती थीं ...

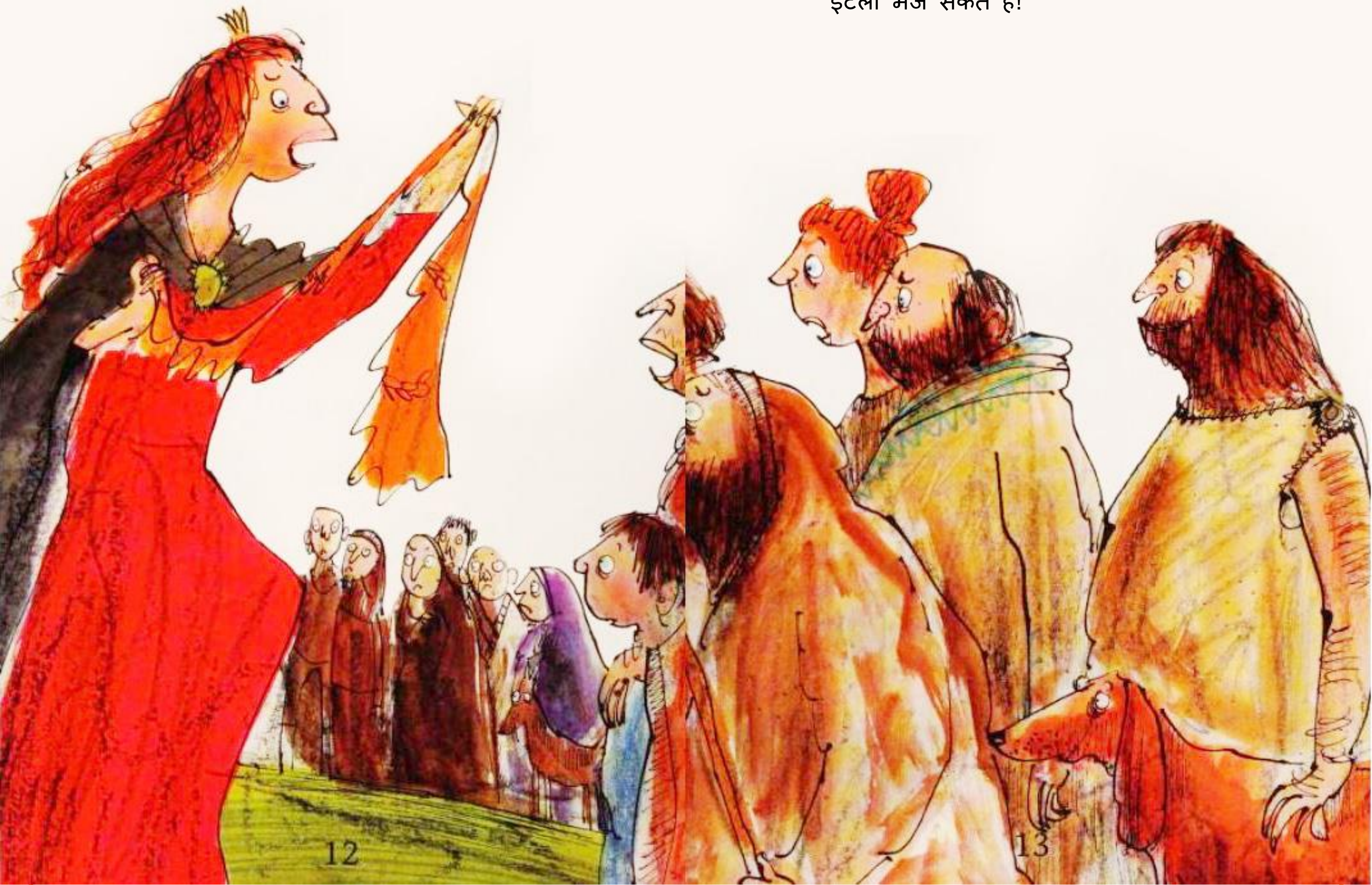


और किसी भी योद्धा से बेहतर तलवार से लड़ सकती थीं.



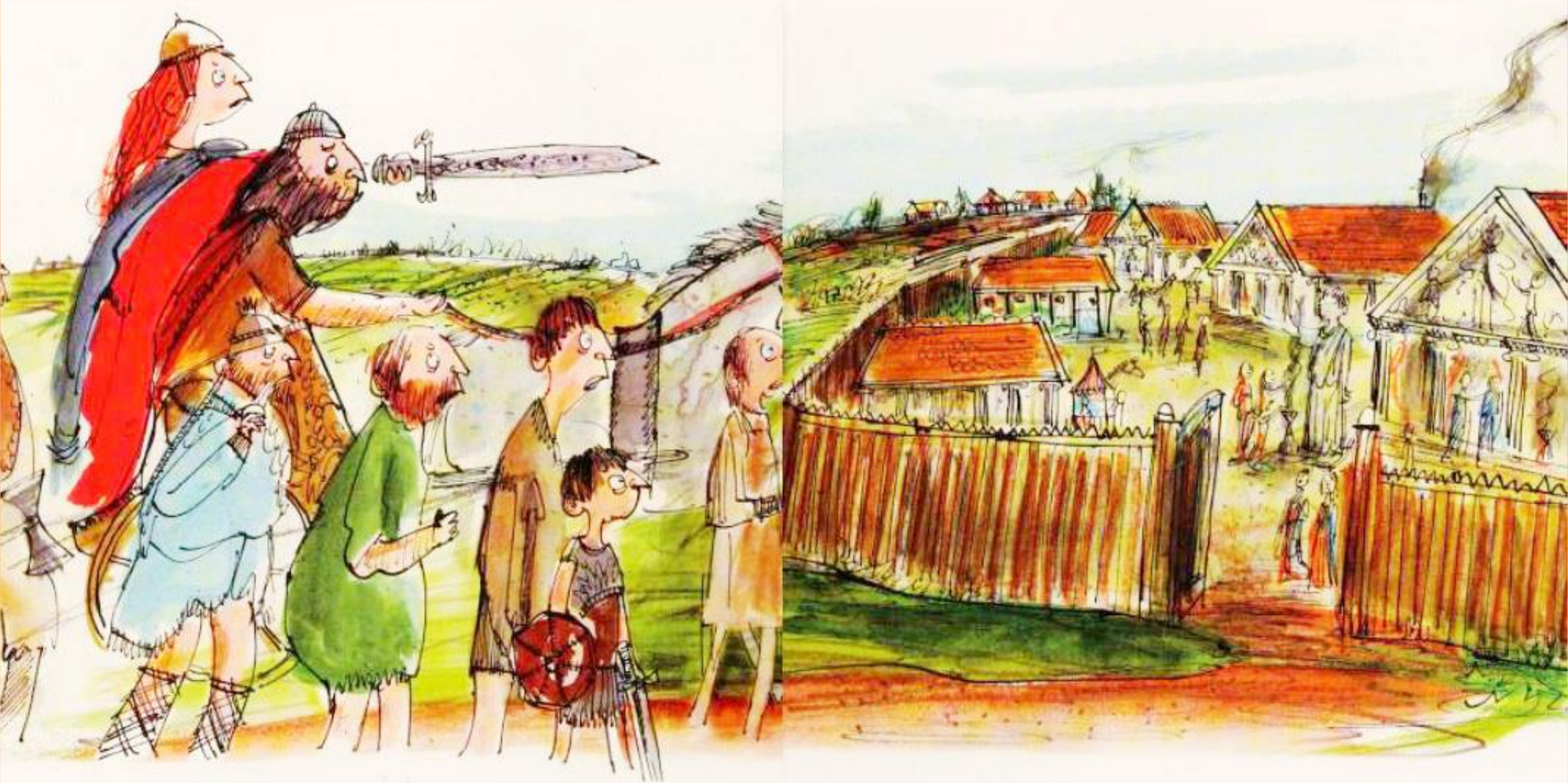
एक दिन बौदिका ने एक शानदार भाषण दिया:

"रोमन हमारे मित्र नहीं हैं. हम रोमन सेना को हरा सकते हैं! हम उन्हें वापस इटली भेज सकते हैं!"

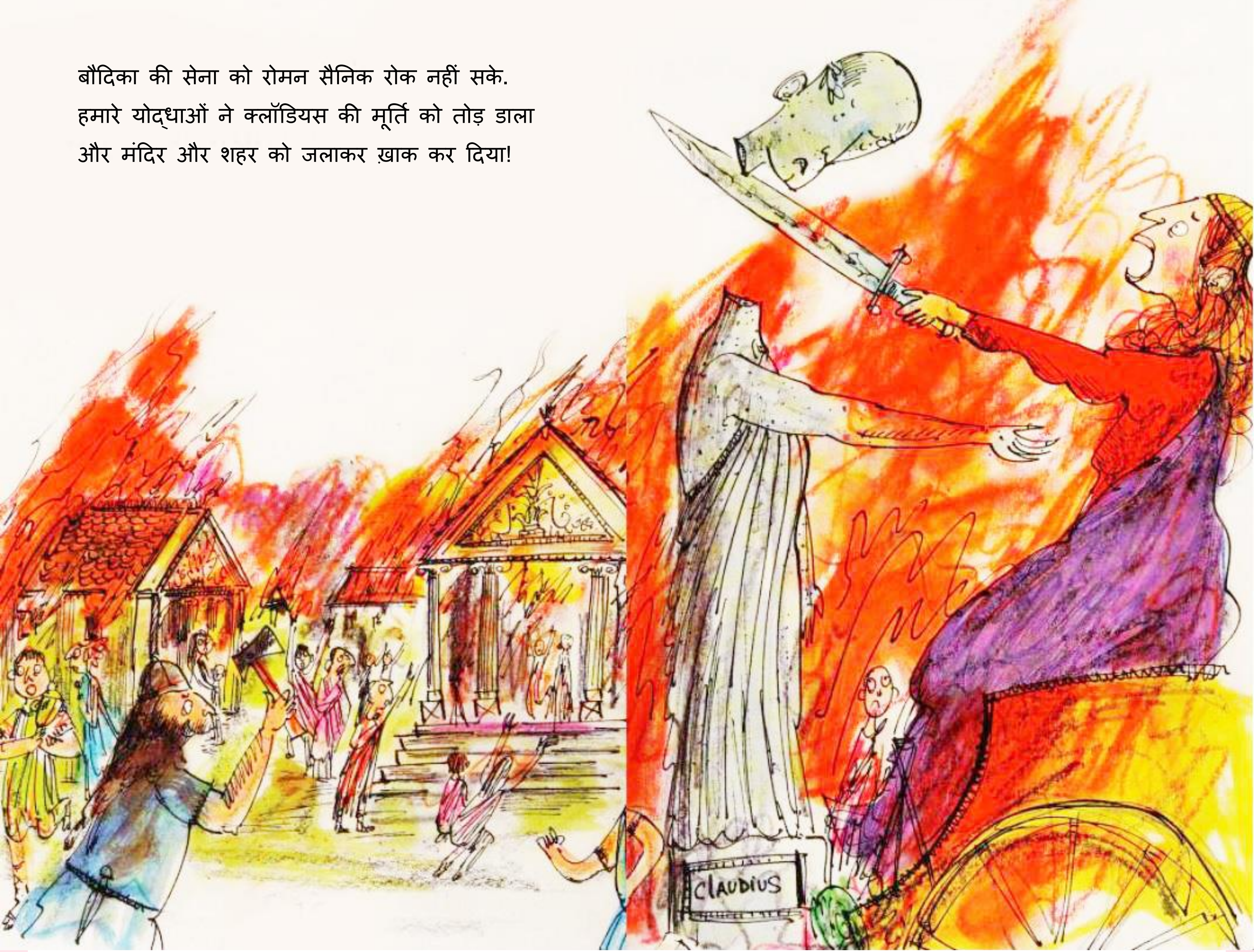


जल्द ही कई योद्धा बौदिका की सेना में शामिल हो गए. उन्होंने कोलचेस्टर शहर की ओर कूच की, जहाँ बहुत से रोमवासी रहते थे.

वहां रोमनवासियों ने अपने सम्राट क्लॉडियस के लिए एक महान मंदिर बनवाया था. वो उन्हें एक देवता मानते थे.



बौदिका की सेना को रोमन सैनिक रोक नहीं सके. हमारे योद्धाओं ने क्लॉडियस की मूर्ति को तोड़ डाला और मंदिर और शहर को जलाकर ख़ाक कर दिया!



फिर हमारी सेना ने लंदन की ओर कूच किया. जब रोमन सैनिकों ने हमारे योद्धाओं को आते देखा तो वे भाग खड़े हुए!

हमारे योद्धाओं ने लंदन को भी जला डाला.



हरेक लड़ाई में मेरे पिता पहले रथ पर सवार होते थे. पिता घोड़े को दौड़ाते थे, जबकि बौडिका अपने भाले फेंकती और तीर चलाती थीं.



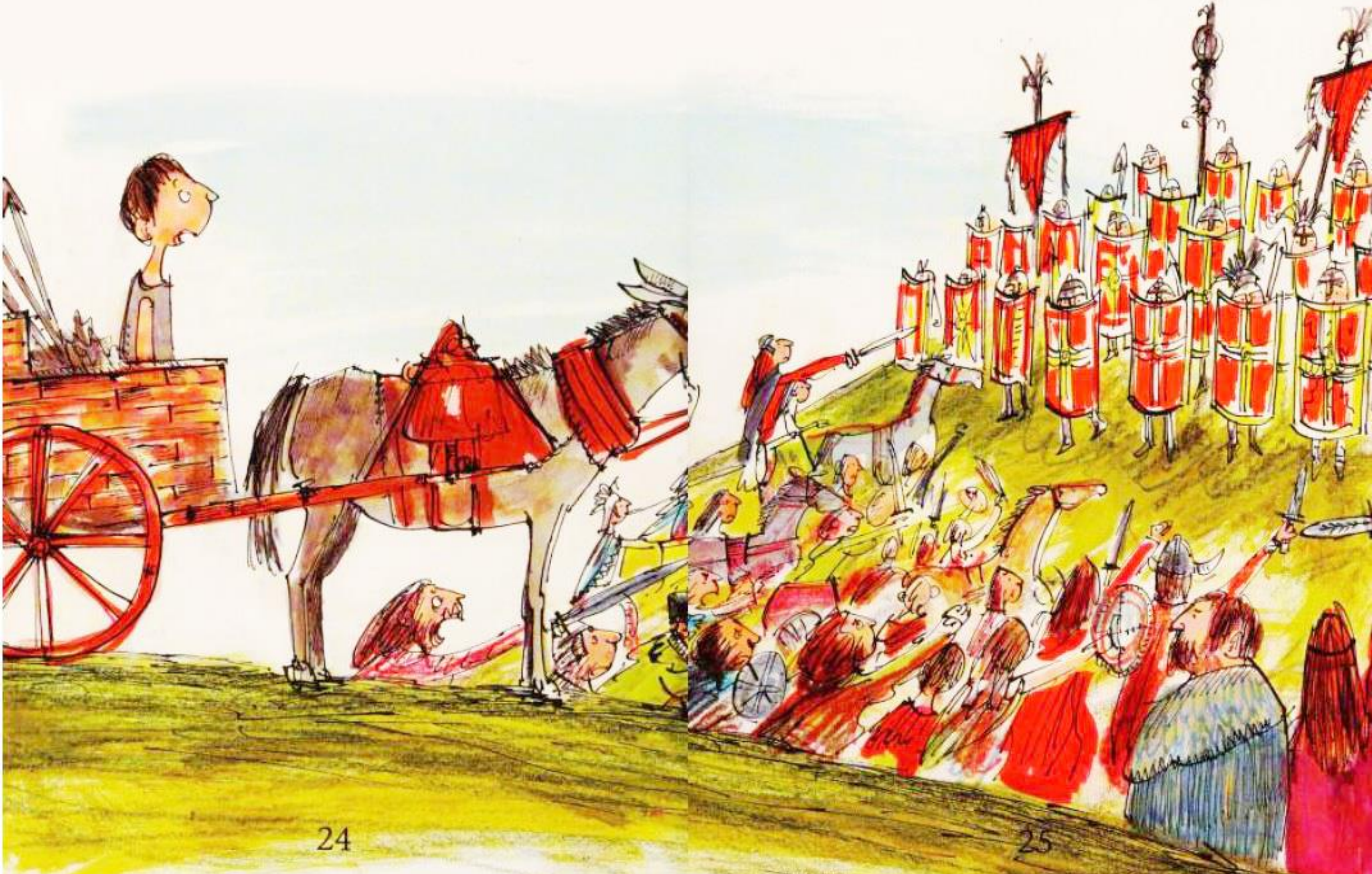
मेरे पिता ने कहा कि मैं उनके साथ आ सकता हूं और अगली लड़ाई देख सकता हूं.



"हम रोमन सेना को रौंद देंगे, बेटा," पिताजी ने कहा. "हम उन्हें इटली वापस भेज देंगे!"



फिर मैं गाड़ी में बैठ गया और युद्ध देखता रहा. हमारे योद्धाओं ने युद्धघोष किया. हमारे रथों ने आक्रमण किया.



लेकिन इस बार रोमन सैनिक नहीं भागे. वे वापस लड़े.



उन्होंने अपने भाले फेंके. उन्होंने अपनी तलवारों से वार किया. उनके घोड़ों ने भी आक्रमण किया.



रोमन, लड़ाई जीत गए. हमारे अधिकांश योद्धा मारे गए - जिनमें मेरे पिता और रानी बौदिका भी शामिल थीं.



लेकिन मुझे यकीन है कि एक दिन हमारे योद्धा, रोमन सेना को हरा देंगे और उन्हें खदेड़कर इटली वापस भेज देंगे!



अंत